No. of Printed Pages : 8

BPYE-001

B. A. PHILOSOPHY (BDP)

Term-End Examination

June, 2020

BPYE-001 : PHILOSOPHY OF RELIGION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (i) *Answer all the five questions.*

(ii) *All questions carry equal marks.*

(iii) *Answers to Question No. 1 and 2 should be in about 400 words each.*

---

1. Critically evaluate the theories of naturalistic, anthropological and psychological origin of religion. 20

Or

Elaborate and discuss upon the metaphysical attributes of God ? What are the difficulties involved in defending these attributes by theists ? 20

2. What according to you are advantages of religious pluralistic world ? Are the conductions drawn by religious pluralists virtuous ? Explain. 20

Or

Why religious language is important ? What are the *three* traditional approaches to religious language ? Discuss. 20

3. Answer any ***two*** of the following in about **200** words each : 10 each

   (a) Clarify the problems involved in defining religion.

   (b) Discuss the Marxian critique of religion.

(c) Write a short essay on James' account of religious experience.

(d) What is cosmological argument for proving the existence of God ? Explain.

4. Answer any *four* of the following in about 150 words each : 5 each

(a) Is there any relation between religious fundamentalism and terrorism ?

(b) Briefly discuss the 'Category of Holy'.

(c) What is meant by 'Meta-narrative' ?

(d) Describe the problem of 'Atheism' and 'Antagonism'.

(e) Describe moral argument for the existence of God.

(f) Describe the problem of evil.

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each : 4 each

(a) Ontological argument

(b) Religious exclusiveness

(c) Religious language

(d) Existentialism

(e) Praxis

(f) Mysticism

(g) Teleological argument

(h) Omnipotence

बी.पी.वाई.ई.-001

बी. ए. दर्शनशास्त्र (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्मदर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

---

1. धर्म की उत्पत्ति के प्रकृतिवादी, मानवविज्ञानवादी एवं मनोविज्ञानवादी सिद्धान्तों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

अथवा

ईश्वर के तत्वमींमासीय गुणों की सविस्तार चर्चा कीजिए। ईश्वरवादी इन गुणों की रक्षा करते समय क्या कठिनाईयाँ पाते हैं ? 20

2. आपके अनुसार धार्मिक बहुलतावादी जगत् के क्या लाभ हैं ? क्या धार्मिक बहुलतावादियों द्वारा निकाले गए निष्कर्ष शुचिता रखते हैं ? व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

धार्मिक भाषा क्यों महत्वपूर्ण है ? धार्मिक भाषा के प्रति तीन पारम्परिक दृष्टिकोण कौन-से हैं ? 20

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(i) धर्म को परिभाषित करने में निहित कठिनाइयों की विवेचना कीजिए।

(ii) धर्म की मार्क्सवादी आलोचना की विवेचना कीजिए।

(iii) धार्मिक अनुभव के विषय में जेम्स के मत पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए।

(iv) ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने हेतु सृष्टिमूलक तर्क क्या है ? व्याख्या कीजिए।

4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(i) क्या धार्मिक रूढ़िवाद एवं आतंकवाद में कोई सम्बन्ध है ?

(ii) पवित्र की कोटि (Category of Holy) की संक्षिप्त चर्चा कीजिए।

(iii) अधि-आख्यान से क्या आशय है ?

(iv) निरीश्वरवाद एवं बैरभाव (Antagonism) की समस्या का विवरण दीजिए।

(v) ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने हेतु नैतिक युक्ति का वर्णन कीजिए।

(vi) अशुभ की समस्या का वर्णन कीजिए।

5. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(i) सत्तामूलक युक्ति

(ii) धार्मिक विशिष्टीकरण

(iii) धार्मिक भाषा

(iv) अस्तित्ववाद

(v) आचार

(vi) रहस्यवाद

(vii) प्रयोजनमूलक तर्क

(viii) सर्वशक्तिमत्ता